

प्रभाषिक तिथि जाता है कि इस
पुस्तक में कुल 140 (एक सौ चालिश)
पत्र हैं।

१०८
१९६८

प्रभाषिक
(प्रधान प्रबन्ध)

गोज दिनांक १५/१२/२०२३ को ग्राम पंचायत
 लहलहे - ३ पंचायत विभाग के द्वारा इस
 में कानूनी रास्ते की दृष्टि उन्नीसवाँ
 जलमी बद्धता सुनाया गया है। पुनर्म धारणे के
 दृष्टि चिराव द्वारा एक अधिक व्यक्ति अपने द्वारा
 कानूनी जनापन विवर उपलब्ध है। एवं आपने अपने
 उपराजक जनाप

~~ग्राम पंचायत लहलहे~~
 मुख्यमंत्री
 प्रधानमंत्री विवर
 सदर, मैदानीबगर, पलामू

- ① विभागी
- (2) आमा देवी
- (3) पुनर्म देवी
- ५ किमुमताई
- ५ कमाँडा देवी

6 ग्रामपालकुआविवरी-वार्ड 6.

पुमिलाई

बराटी

पुनर्म देवी

Shrimprasad K

प्राप्ति दर्शन ०१:- ग्राम देवता रामपाल चिराव

प्राप्ति दर्शन ०२:- अपीलियर कानूनी रास्ते के सुधारों के सिर्फ
 पंचायत में अपीलियर का विवाद विभाग के द्वारा उन्नीसवाँ
 विभाग द्वारा यैसापन के बोझना अपने का ग्राम पालक
 लापा गया। एवं विभाग द्वारा आजी का अपना कानून

प्राप्ति ०३:- अपन्या कानूनी जिम्मे के
दृष्टिकोण से वो वार्ता का एक अद्भुत किसी भी
जीव इन प्रभाव के लिए जिसकी प्रभावित
जीवों की जानी है।

ग्राम लहलहे में ०५ जगह पर उत्तरीन

ग्राम ग्रामीण ०५ जगह पर उत्तरीन

प्राप्ति ०४:- वे वार्ता पाद लहलहे के अल्प बढ़ी जानी
प्राप्ति ०५:- प्राप्ति ०५ वार्ता पर उत्तरीन

ग्राम लहलहे वाले पापे के दैवत- ही आठवें
वाली ग्रामीण एवं उच्च उम्र की विधि

प्राप्ति ०६:- वार्ता ग्रामीण विधि

ग्राम लहलहे प्राप्ति ०६ वार्ता के पाद असुरपन

सार्व वार्ता की जानी गोलार्द्ध का मानक १८५०

वार्ता ५८वीं दिनीष वाद्य का मानक १८५०

प्राप्ति ०७:- लहलहे में २० अग्नि उत्तरीन की विधि

✓ प्राप्ति ०८:- लहलहे की विधि जानी पर
२० अग्नि की विधि विधि

✓ वार्ता ५८वीं वार्ता की विधि विधि

✓ वार्ता ५८वीं वार्ता की विधि विधि

✓ वार्ता ५८वीं वार्ता की विधि विधि